**SEMAKAN SUKATAN PELAJARAN**

**HIFZ AL-QURAN DAN TAJWID**

**TINGKATAN 3**

**SEMAKAN TERKINI SUKATAN MATA PELAJARAN YANG TELAH DIAJAR**

**MENGIKUT INDIVIDU**

**Nama Guru :**

**Tingkatan : TIGA**

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **BIL** | **TAJUK** | **TARIKH**  **TAMAT SUKATAN** | | | | | | **TARIKH**  **ULANG KAJI** | | | | | | **TARIKH UJIAN**  **/LATIHAN** | | | | | | |
| **1** | **الباب الأول : التلاوه** | **AB** | **FA** | **FW** | **IM** | **UL** | **NA** | **AB** | **FA** | **FW** | **IM** | **UL** | **NA** | **AB** | **FA** | **FW** | **IM** | **UL** | **NA** |
| سوره ال عمران – اية 1-40 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| سوره ال عمران – اية 41-80 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| سوره ال عمران – اية 81-120 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| سوره ال عمران-اية 121-160 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| سوره ال عمران – اية 161-200 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| **2** | **الباب الثاني : الحفظ** |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| سوره لقمان- اية 1-20 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| سوره لقمان – اية 21-34 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| سوره يس – اية 1-28 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| سوره يس- اية 29-53 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| سوره يس – اية 54-83 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| **3** | ا**لباب الثاث : التجويد** |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| أحكام المد |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| همزة الوصل |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| الوقف والابتداء |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |